

भोपाल गैस त्रासदी विश्व में औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाएँ में से एक है। आज 40 साल बाद भी इसके प्रभाव समाज और पर्यावरण पर स्पष्ट दिख रहे हैं। इससे जुड़े शोध और जागरूकता को जारी रखना जरूरी है, ताकि ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके और पीड़ितों को न्याय मिल सके। हमें हमारे संकंत्रों में भी कार्य के दैराम परस्पर संप्रेषण करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही न हो, इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। जोखिम वाले कार्य को करने के दैराम सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सहित आवश्यक परिषिट बौरह की औपचारिकताएँ भी पूर्ण करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के संकट की आशंका पर अपने रिपोर्टिंग अधिकारी को तत्काल संपर्क करना चाहिए।

शुक्रवार को नेपा लिमिटेड कारखाना परिसर स्थित सभाकक्ष में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य महाप्रबंधक कार्य राम अलागेसन ने यह बात कही। इस दैराम भोपाल गैस त्रासदी पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। दरअसल केंद्रीय भारी उद्घोग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में मध्यप्रदेश शासन के दिशा-निर्देश और सीएमडी राकेश कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत मिल कर्मचारियों और अधिकारियों में औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां कर्गड़ी जा रही हैं।



अग्निशमन मॉक ड्रिल और प्रशिक्षण आज

औद्योगिक संरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को नेपा मिल के आरएमएस गोदाम परिसर में मिल कर्मचारियों के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन की मॉक ड्रिल कराने के साथ विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। 3 दिसंबर को समाप्ति पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस दैराम सप्ताह भर हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। शुक्रवार को हुए कार्यक्रम में वारिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुप्रत कानपाड़े, प्रबंधक कार्मिक प्रशासन और पावर हाउस महेंद्र केशरी, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, उप प्रबंधक अनुराक्षण बिजेंट चौधरी, सहायक प्रबंधक डीआईपी देवेंद्र महोदे, उदेश नकुल, आशुतोष मिश्रा, धनंजय प्रसाद मिश्रा, एसके तारापुरे, संजय महाजन, पवन पवार, प्रांजल तिवारी, अनीस मसूरी, पंकज मराठे, वर्षा पटेल, जितेंद्र पवार, जयंत टाक, हिमांशु पांडेय और भूषण जायस्वाल सहित कई अफसर-कर्मी मौजूद थे। संचालन जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया। आगामी सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशासन सेना ने माना।

विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी के 40 साल पूरे सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशासन सेना ने कहा- विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी भोपाल गैस कांड को 40 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। लेकिन इस त्रासदी का शिकार हुए लोगों के जछा आज भी तजा हैं और शायद ये कभी भरेंगी भी नहीं। क्योंकि अपनों को खोने के दर्द और उस भयानक हादसे को कभी भी भूलाया नहीं जा सकता। 2 और 3 दिसंबर 1984 की वो पहली रात नहीं थी, जब यूनियन कार्बाइड से जहरीली गैस रिसी थी। इससे पहले भी कई बार छोटे पैमाने पर गैस का रिसाव हुआ था, जिसमें एक जान भी गई थी, लेकिन कार्बाइड प्रबंधन ने इसके बाद भी सतर्कता नहीं बरती। प्रबंधन इसको लेकर पहले ही सतर्क हो जाता तो भोपाल को श्मशान में बदल देने वाली वो मनहस रात इतिहास के पत्तों पर दर्ज ही नहीं होती। ऐसी घटनाओं से हम सबको सबक लेने की आवश्यकता है।

नेपा मिल की ओर से 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक मनाया जा रहा औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह

‘भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के औद्योगिक इतिहास की भयावह घटनाओं में से एक’



सिटी रिपोर्टर
patrika.com

नेपानगर, शुक्रवार को नेपा लिमिटेड के कारखाना परिसर रिथर्ट सभाकक्ष में भोपाल गैस त्रासदी पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक कार्य राम अलागेसन ने की। इस दौरान उन्होंने कहा भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक है। आज 40 साल बाद भी इसके प्रभाव समाज और पर्यावरण पर स्टैट दिख रहे हैं।

दरअसल केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में मध्यप्रदेश शासन के दिशा निर्देश और सीएमडी राकेश कुमार चोखाना के मार्गदर्शन में 27 नवंबर से 3

आद्योगिक संरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को नेपा मिल के आरएमएस गोदाम परिसर में मिल कर्मचारियों के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन की मॉक ड्रिल और विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आगामी 3 दिसंबर को समाप्त अवसर पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि

आज होगी अग्निशमन की मॉक ड्रिल

आर्पित की जाएगी। इस दौरान सप्ताहभर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। संचालन जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया। आभार विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आगामी 3 दिसंबर को संरक्षा प्रशांत सोनी ने माना। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत महाजन, पवन पवार आदि सुमंत कानफड़े, प्रबंधक कार्मिक

40 साल पहले
हुई त्रासदी के जख्म
आज भी ताजा

सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने बताया विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी यानी भोपाल गैस कांड को 40 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, लेकिन मानों इस त्रासदी का शिकार हुए लोगों के जख्म जैसे अभी ताजा ही हैं और शायद ये कभी भरेंगे भी नहीं, क्योंकि अपनों को खोने का दर्द वो भी किसी भयानक हादसे में कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। 2 और 3 दिसंबर 1984 वो पहली रात नहीं थी जब यूनियन कार्बाइड से वो जहरीली गैस रिसी थी। इससे पहले भी कई बार छोटे पैमाने पर गैस का रिसाव भी हुआ जिसमें एक जान भी चली गई थी।

दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा तहत मिल कर्मचारियों और अधिकारियों में औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कहा कि इससे जुड़े

शोध और जागरूकता को जारी रखना जरूरी है ताकि ऐसी त्रासदियों को करने के दौरान सुरक्षा के पुछता इतजाम सहित आवश्यक परिमित वारौह की औपचारिकताएं भी पूर्ण भी कार्य के दौरान परस्पर संपर्क करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही न हो, इसका विशेष ध्यान तत्काल संपर्क करना चाहिए।

नेपा लिमिटेड में मध्यप्रदेश शासन के दिशा निर्देशों के अनुपालन में 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बताया
बुरहानपुर। नेपानगर में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में मध्यप्रदेश शासन के दिशा निर्देशों के अनुपालन और सीएमडी राकेश कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में 27 नवंबर

विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी यानी भोपाल गैस कांड को 40 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं लेकिन, मानों इस त्रासदी का शिकार हुए लोगों के जख्म जैसे अभी ताजा ही हैं और शायद ये कभी भरेंगे भी नहीं। क्योंकि अपनों को खोने का दर्द, वो भी किसी भयानक हादसे में, कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। 2 और 3 दिसंबर 1984 वो पहली रात नहीं थी, जब यूनियन कार्बाइड से वो जहरीली गैस रिसी थी। इससे पहले भी कई बार छोटे पैमाने पर गैस का रिसाव भी हुआ, जिसमें एक जान भी चली गई थी। लेकिन, कार्बाइड प्रबंधन के कान पर जूँ तक नहीं रेंगी। अगर प्रबंधन इसे लेकर पहले ही सतर्क हो जाता, तो यकीनन भोपाल के शमशान में बदल देने वाली वो मनहृस रात



से 3 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत मिल कर्मचारियों और अधिकारियों में औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में शुक्रवार को नेपा लिमिटेड के कारखाना परिसर स्थित सभाकक्ष में भोपाल गैस त्रासदी पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य महाप्रबंधक कार्य राम अलागोसन ने कहा भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि, पूरे विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक है। आज 40 साल बाद भी इसके प्रभाव समाज और पर्यावरण पर स्पष्ट दिख रहे हैं। इससे जुड़े शोध और जागरूकता को जारी रखना जरूरी है ताकि ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके और पीड़ितों को न्याय मिल सके। हमें हमारे संयंत्रों में भी कार्य के दौरान परस्पर संप्रेषण करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही न हो, इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। जोखिम वाले कार्य को करने के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सहित आवश्यक परमिट बगैर की औपचारिकताएं भी पूर्ण करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के संकट की आशंका पर अपने रिपोर्टिंग अधिकारी को तत्काल संपर्क करना चाहिए।

सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने

इतिहास के पश्चे पर दर्ज ही नहीं होती। ऐसी घटनाओं से हम सबको सबक लेने की आवश्यकता है। नेपा लिमिटेड का औद्योगिक संरक्षा विभाग संस्थान में सुरक्षा हेतु प्रतिबद्ध हैं। औद्योगिक संरक्षा को बढ़ावा देने हेतु शनिवार को नेपा मिल के आरएमएस गोदाम परिसर में मिल कर्मचारियों के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन की मॉक ड्रिल और विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आगामी 3 दिसंबर को समाप्त अवसर पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस दौरान सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया और आभार सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने माना। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमंत कानफाड़े, प्रबंधक कार्मिक प्रशासन और पावर हाउस महेंद्र केशरी, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, सहायक प्रबंधक डीआईपी देवेंद्र महोबे, उदेश नकुल, आशुतोष मिश्रा, धनंजय प्रसाद मिश्रा, एसके तारापुरे, संजय महाजन, पवन पवार, प्रांजलि तिवारी, अनीस मंसूरी, पंकज मराठे, वर्षा पटेल, जितेंद्र पवार, जयंत टाक, हिमांशु पांडेय, भूषण जायसवाल सहित कई अफसर कर्मी उपस्थित थे।

नेपा मिल महाप्रबंधक राम अलागेशन बोले-

भोपाल गैस त्रासदी भारत ही नहीं विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक

स्वदेश समाचार ■ बुरहानपुर

भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि, पूरे विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक है। आज 40 साल बाद भी इसके प्रभाव समाज और पर्यावरण पर स्पष्ट दिख रहे हैं। इससे जुड़े शोध और जागरूकता को जारी रखना जरूरी है ताकि ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके और पीड़ितों को न्याय मिल सके। हमें हमारे संयंत्रों में भी कार्य के दौरान परस्पर सहयोग करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही न हो इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। जोखिम वाले कार्य को करने के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सहित आवश्यक परमिट वर्गेरह की औपचारिकताएं भी पूर्ण करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के संकट की आशंका पर अपने रिपोर्टिंग अधिकारी को तत्काल संपर्क करना चाहिए।

यह बात नेपा मिल के महाप्रबंधक राम अलागेशन ने शुक्रवार को नेपा मिल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। दरअसल मिल में 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा जागरूकता सप्ताह अवसर पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों मनाया जा रहा है। अफसर, कर्मचारियों को



भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित लघु फिल्म दिखाई गई। इस दौरान सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने कहा-विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी यानी भोपाल गैस कांड को 40 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं लेकिन, मानो इस त्रासदी का शिकार हुए लोगों के जख्म जैसे अभी ताजा ही हैं और शायद ये कभी भरेंगे भी नहीं। क्योंकि अपनों को खोने का दर्द कभी भुलाया नहीं जा सकता।

शनिवार को नेपा मिल के आरएमएस गोदाम परिसर में मिल कर्मचारियों के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन की मॉक ड्रिल और विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आगामी 3 दिसंबर को समाप्त अवसर पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस दौरान

सप्ताहभर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। संचालन जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया। आभार सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने माना।

यह रहे मौजूद- कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमंत कानफाड़े, प्रबंधक कार्मिक प्रशासन और पावर हाउस महेंद्र केशरी, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, सहायक प्रबंधक डीआईपी देवेंद्र महोबे, उदेश नकुल, आशुतोष मिश्रा, धनंजय प्रसाद मिश्रा, एसके तारापुरे, संजय महाजन, पवन पवार, प्रांजल तिवारी, अनीस मंसूरी, पंकज मराठे, वर्षा पटेल, जितेंद्र पवार, जयंत टाक, हिमांशु पांडेय, भूषण जायसवाल सहित कई अफसर कर्मी उपस्थित थे।

नेपा लिमिटेड में औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह प्रारंभ, तीन दिसंबर को होगा समाप्त

इतिहास की भयावह घटना थी भोपाल त्रासदी

नईदुनिया संजय चौहान 9406689018

नईदुनिया न्यूज, नेपालगढ़: भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि, विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटना थी। करीब 40 साल बाद भी समाज और पर्यावरण पर इसका प्रभाव स्पष्ट दिख रहा है। शोध, और जागरूकता से ऐसी त्रासदियों को रोका जा सकता है।

यह बात शुक्रवार को नेपा मिल के मुख्य महाप्रबंधक कार्य राम अलागेसन ने औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि हमें संयंत्रों में भी कार्य के दौरान परस्पर संप्रेषण करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही न हो इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशासन सेनी ने कहा कि गैस कांड के शिकार हुए लोगों के जख्म शायद कभी नहीं भरेंगे। जात हो कि नेपा मिल में 27



औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह संबंधी कार्यक्रम में मौजूद नेपा मिल के अधिकारी-कर्मचारी।

नईदुनिया

नवंबर से तीन दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। शुक्रवार को भोपाल गैस त्रासदी पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। सप्ताह के समाप्त अवसर पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

आज होगी अग्निशमन की माफिल: औद्योगिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को नेपा मिल के आरएमएस गोदाम परिसर में अग्निशमन की माफिल और विशेष प्रशिक्षण होगा। इस दौरान सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत प्रांजल तिवारी आदि उपस्थित थे।

नेपा लिमिटेड ने औद्योगिक सुरक्षा जागरूकता सप्ताह

भोपाल गैस ग्रासदी पर केंद्रित लघु फिल्म का किया गया प्रदर्शन

नेपानगर ■ धूब वाणी।

कौटीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपकाम नेपा लिमिटेड में मध्यप्रदेश शासन के दिशा निर्देशों के अनुसालन और सीएमडी राकेश कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत मिल कर्मचारियों और अधिकारियों में औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु चिभिन गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तात्पर्य में शुक्रवार को नेपा लिमिटेड के कारखाना परिसर स्थित सभाकाल में भोपाल गैस जासदी पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य महाप्रबंधक कर्मचारी सम अलागेसन ने कहा भोपाल गैस जासदी न केवल भारत विलिक, पूरे विश्व के औद्योगिक इतिहास की सर्वोच्च भवानीक घटनाओं में से एक है। आज 40 साल बाद भी इसके प्रभाव समाव और पर्यावरण पर स्पष्ट दिख रहे हैं। इससे चुनौती शोध और जागरूकता को जारी रखना जल्दी है ताकि ऐसी जासदियों को रोका जा सके और पोष्टिंगों को न्याय निलं राके। हमें हमारे संवर्द्धों में भी कार्य के दीर्घन परस्पर संप्रेषण करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लाभवाही न हो, इसका विशेष व्याव रखना चाहिए। योखिम वाले कार्य



चोटे पैमाने पर गैस का रिसाव भी हुआ, जिसमें एक जान भी चली गई थी। लेकिन, कार्बाइड प्रबंधन के कान पर जूँ तक नहीं रोगी। अगर प्रबंधन इसे लेकर पहले ही सरकर हो जाता, तो यकीनन भोपाल के शमशान में बदल देने वाली यो मनहृष्ट रात इतिहास के फ़लों पर दर्ज ही नहीं होती। ऐसी घटनाओं से हम सबको सबक लेने की आवश्यकता है। नेपा लिमिटेड का औद्योगिक संरक्षा विभाग संस्थान में सुरक्षा हेतु प्रतिवर्द्ध है। औद्योगिक संरक्षा को बढ़ावा देने हेतु शनिवार को नेपा मिल के आएमएस गोदाम परिसर में मिल कर्मचारियों के लिए अग्निशमन विभाग हुरा अग्निशमन की मॉक हिल और विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आगामी 3 दिसंबर को समाप्त अवसर पर भोपाल गैस जासदी के मृतकों को अदानजलि

अर्पित की जाएगी। इस दीर्घन सप्ताह भर आवेदित विभिन्न प्रतियोगिताओं के योग्यताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन जन संरक्षक अधिकारी संघीय छाकरे ने किया और आभार सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशासन चौनी ने माना। इस दीर्घन विश्वास प्रबंधक विश्वास सुनित कावकाड़े, प्रबंधक कार्मिक प्रशासन और यावर हारदस महेंद्र केशरी, प्रबंधक पेपर मसीन कुमार देशमुख, उपप्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, सहायक प्रबंधक श्रीआईपी देवेंद्र महेंद्र, लदेश नकुल, आगुलोप पिंडा, धनंजय प्रसाद पिंडा, एसके तारापुरे, संबय महाजन, पवन पवार, प्रांजलि लिखारी, अनीस मसूरी, एंकज मरहे, यों पटेल, जिलेंद्र पवार, जयंत ठाक, हिमांशु पांडेय, भूपण जायसवाल सहित कई अफसर कर्मी उपस्थित हैं।